HEMCHAND YADAVVISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION

&

SYLLABUS

of

M.A. (Chhattisgarhi)

Semester Exam

UNDER

FACULTY OF ARTS

Session 2025-26 & 2026-27

(Approved by Board of Studies)

Effective from June 2025

एम.ए. छत्तीसगढ़ी (अंक विभाजन एवं क्रेडिट विवरण)

प्रथम सेमेस्टर

Paper No.	Title of Paper	Marks			Credits
		Theory	Internal	Total	
01	छत्तीसगढ़ी भाषा : भौगोलिक अउ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	80	20	100	05
02	छत्तीसगढ़ी लोकजीवन अउ संस्कृति	80	20	100	05
03	छत्तीसगढ़ी भाषा : संरचना अउ स्वरूप	80	20	100	05
04	छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य	80	20	100	05
	Total			400	20

द्वितीय सेमेस्टर

Paper No.	Title of Paper	Marks			Credits
		Theory	Internal	Total	
01	छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास	80	20	100	05
02	छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य	80	20	100	05
03	छत्तीसगढ़ी लोक कथा अउ लोकगाथा	80	20	100	05
04	छत्तीसगढ़ी लोककाव्य	80	20	100	05
	Total			400	20

27.6.25

27/6/2025

तृतीय सेमेस्टर

Paper No.	Title of Paper	Marks			Credits
		Theory	Internal	Total	
01	छत्तीसगढ़ी के भाषा वैज्ञानिक पक्ष	80	20	100	05
02	प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी	80	20	100	05
03	सूचना तकनीक अउ छत्तीसगढ़ी भाषा	80	20	100	05
04	अनुवाद : सिद्धांत अउ व्यवहार	80	20	100	05
	Total			400	20

चतुर्थसेमेस्टर

Paper No.	Title of Paper	Marks			Credits
		Theory	Internal	Total	
01	आधुनिक छत्तीसगढ़ी काव्य	80	20	100	05
02	आधुनिक छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य	80	20	100	05
03	छत्तीसगढ़ी नाटक, एकांकी अउ निबंध साहित्य	80	20	100	05
04	छत्तीसगढ़ी के प्रारंभिक उपन्यास अथवा लघु शोध प्रबंध	80	20	100	05
	Total			400	20

1.एम.ए. छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम म कुल 16 प्रश्न पत्र हावय। हरेक सेमेस्टर म चार प्रश्न पत्र राखे गे हावय।
2. हरेक सेमेस्टर म 20 क्रेडिट अनिवार्य रूप ले राखे गे हावय।
3. हरेक प्रश्न पत्र म 80 अंक राखे गे हावय।
4. हरेक प्रश्न पत्र म 20 अंक के आंतरिक मूल्यांकन अउ संगोष्ठी पाठ्यक्रम म शामिल करे गे हावय।
5. चतुर्थ प्रश्नपत्र लघु शोध प्रबंध के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के विविधपक्ष से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछे जाही।

27.6.25

27.6.2025

27-06-25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी)
पहला सेमेस्टर
पहला प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी भाषा : भौगोलिक अउ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. छत्तीसगढ़ राज्य के भौगोलिक स्थिति अउ प्राचीन इतिहास ल जाने समझे बर ।
2. छत्तीसगढ़ में देसी राज अउ अंगरेजी राज ल तरी के जात ले जाने बर ।
3. 1857 के लड़ई के मरम ल देखे-समझे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ के भूगोल:–

प्राचीन छत्तीसगढ़ अउ वर्तमान छत्तीसगढ़ के सीमा, वर्तमान छत्तीसगढ़ के भौगोलिक क्षेत्र-विभाजन अउ भौगोलिक परिस्थिति, विस्तार, क्षेत्रफल, ऊर्जा, खनिज, फसल, सिंचाई, पर्यटन

इकाई 2. छतीसगढ़ के प्राचीन इतिहास :–

i. नामकरण, प्राचीन साहित्य म नामोल्लेख
ii. प्राचीन राजवंश – मौर्य, गुप्त, वाकाटक
iii.क्षेत्रीय राजवंश (राजर्षि तुल्य कुल, शरभपुरीय, पाण्डुवंश, नलवंश, छिन्दक नागवंश, सोमवंश)

इकाई 3. i. हैहयवंशी कल्चुरि युग – तुम्माण, रतनपुर अउ रायपुर के कल्चुरि – प्रशासनिक अउ सामाजिक व्यवस्था।
ii.छत्तीसगढ़ में मराठा राज : बिम्बाजी भोसले और उंकर उत्तराधिकारी, मराठा शासन व्यवस्था, सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक दशा।

इकाई 4. छत्तीसगढ़ में अंगरेज राज, छत्तीसगढ़ में जन जागरण- कबीर पंथ, सतनाम पंथ, अंगरेज जमाना में आधुनिक बदलाव (शासन प्रणाली, न्याय प्रणाली, अउ शिक्षा व्यवस्था), 1857 के लड़ई। आधुनिक छत्तीसगढ़ में राजनीतिक जागरण अउ स्वाधीनता संग्राम – नारायण सिंह, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा के भौगोलिक अउ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के ठोस जानकारी होही ।
2. छत्तीसगढ़ के सामाजिक-आर्थिक अउ सांस्कृतिक परिदृश्य ल पढ़इया मन जानही ।
3. छत्तीसगढ़ राज्य काबर बनिस, कइसे बनिस, कोन कोन नेता ओकर अगुआ रिहिन ; ये सब बात ल जाने समझे बर मिलही ।

27.6.25

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ का भूगोल : डॉ. एल.एन. वर्मा, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
2. प्राचीन छत्तीसगढ़ : प्यारे लाल गुप्त
3. छत्तीसगढ़ परिचय : बलदेव प्रसाद मिश्र
4. छत्तीसगढ़ का इतिहास : भगवानसिंह वर्मा
5. छत्तीसगढ़ का इतिहास : शांता शुक्ला
6. छत्तीसगढ़ का इतिहास : रमेंद्र नाथ मिश्र

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.27

27/6/2025

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी)
पहला सेमेस्टर
दूसरा प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी लोकजीवन अउ संस्कृति

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1.गाँव गँवई , खेती किसानी के सामाजिक व्यवस्था अउ रंग रूप ल देखे समझे बर ।
2. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन के रीति-रिवाज, पहनावा ओढ़ावा, गहना गूठा, पारिवारिक जीवन अउ लोकाचार के जानकारी बर ।
3. छत्तीसगढ़ के तिहार बार, जनम से ले के मरनी तक लोक संस्कार अउ लोककला , लोकशिल्प के चिन्हारी बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ के खेतिहर संस्कृति :
खेतिहर समाज अउ गवई संस्कृति (किसानी जीवन, गाँव-देहात म सामुदायिक जीवन, लोक अउ आंचलिक खेल, खेती के औजार अउ खेती-किसानी के कामकाज, पौनी पसारी, गाँव म राजस्व व्यवस्था - रियासती अउ खालसा क्षेत्र। वर्तमान समय में खेती -किसानी।

इकाई 2. लोक जीवन अउ रीति -रिवाज :
पारिवारिक जीवन,पहिनावा,गहना-गुरिया,खानपान अउ कलेवा, लोकाचार (पारिवारिक जीवन में लोकाचार,मितान बदना) ।

इकाई 3. लोक संस्कार(जनम ले मरनी तक संस्कार विधि) परब अउ तिहार (अक्ती ले होली तक)

इकाई 4. लोक कला अउ लोकशिल्प (माटी कला, काठ कला, लोहार कला, अन्य कला)।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1. छत्तीसगढ़ के ठेठ गाँव देहात अउ खेती किसानी के सब्बो चीज ल समझे जाने बर मिलही ।
2. छत्तीसगढ़ के लोकजीवन के रहन -सहन, रीति- नीति, बर- बिहाव, सामाजिक- पारिवारिक जीवन के ताना-बाना ल बारीकी ले समझे बर मिलही ।
3. छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति ल बाद के पीढ़ी मन घलो जानही। संस्कृति ल मूल रूप में बचा सकबो ।

27.6.25

27/6/2025

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर1, शंकर नगर, रायपुर
3. माई कोठी के धान : जीवन यदु
4. छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य और भाषा : बिहारी लाल साहू
5. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन : डॉ. शकुंतला वर्मा
6. चिन्हारी : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल की स्मारिका
7. चिन्हारी : दुर्गा प्रसाद पारकर, लेखश्री प्रकाशन, दयानंद मार्ग, दरियागंज, दिल्ली
8. छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक खेल : चंद्रशेखर चकोर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
9. छत्तीसगढ़ के लोक आभूषण : डुमन लाल ध्रुव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. सन्दर्भ ग्रंथ : झेंझरी : गौरेलाल चंदेल

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/2025

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी)
पहला सेमेस्टर
तीसरा प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी भाषा : संरचना अउ स्वरूप

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा बोली के स्वर व्यंजन के बनाव-रचाव देखे बर ।
2. छत्तीसगढ़ी व्याकरण के सब्बो चीज ल समझे बर । व्याकरण ल तरी के जात ले जाने समझे बर ।
3. छत्तीसगढ़ी के शब्द संरचना , अर्थ संरचना , रूप संरचना , वाक्य संरचना अउ शुद्धि-अशुद्धि के जानकारी खातिर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. पूर्वी हिंदी के बोली अउ छत्तीसगढ़ी - भाषागत वैशिष्ट्य अउ छत्तीसगढ़ी के ध्वनि - संरचना स्वर, व्यंजन, संध्यक्षर,संयुक्त व्यंजन।

इकाई 2. शब्द भेद अउ व्याकरणिक कोटि- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया-विशेषण, अव्यय लिंग, वचन, कारक, काल,वाच्य अउ वृत्ति

इकाई 3. भाषिक संरचना -1
शब्द संरचना- तत्सम, तद्भव, देशज अउ आगत शब्द
अर्थ संरचना - अनेकार्थी, विलोमार्थी, पर्यायवाची, वाक्यांश बर एक शब्द

इकाई 4. भाषिक संरचना -2
रूप संरचना - उपसर्ग अउ प्रत्यय
वाक्य संरचना- वाक्य-संगठन (सरल, संयुक्त, मिश्र वाक्य)
वाक्य अउ उपवाक्य (संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य, क्रिया विशेषण उपवाक्य)
अशुद्धि शोधन —शब्दगत, शब्दार्थगत, विराम-चिन्हगत, अउ वाक्यगत अशुद्धि।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा बोली के स्वर व्यंजन के ठोस जानकारी होही ।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा बोली के शब्दभेद अउ व्याकरण ल बारीकी से देखे जाने समझे बर मिलही ।
3. पढ़हईया मन में भाषा के प्रयोग के क्षमता म सुधार आही।

27.6.25

27/6/2025

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी जनभाषा : व्यास नारायण दुबे
2. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश : कांति कुमार जैन
3. छत्तीसगढ़ी, हलबी और भतरी बोलियों का भाषिक अध्ययन : भालचंद्र राव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास : नरेन्द्र देव वर्मा
5. छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन : शंकर शेष
6. छत्तीसगढी व्याकरण : डॉ. चंद्र कुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
7. छत्तीसगढ़ी का सम्पूर्ण व्याकरण : डॉ. विनय कुमार पाठक, डॉ. विनोद कुमार वर्मा
8. छत्तीसगढ़ी व्याकरण : रामप्यारा पारकर

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी)
पहला सेमेस्टर
चौथा प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

छत्तीसगढ़ी लोकगाथा , लोकगीत , लोककथा , जनउला , हाना , नाचा, गम्मत के मरम ल आज के पीढ़ी ल जनवाये बर । जनजीवन में चलत लोककथा अउ लोकगीत के हियाव खातिर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के विविध विधा: परिचय एवं विशेषताएँ
लोक काव्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, जनउला, मुहावरा अउ हाना

इकाई 2. लोक काव्य :परिचय एवं विशेषताएँ
लोकगीत, पर्वगीत, संस्कार गीत, प्रणय गीत, धार्मिक - आध्यात्मिक गीत

इकाई 3. लोककथा अउ आख्यानक काव्य: परिचय अउ वैशिष्ट्यलोक कथा (कहिनी) : सृष्टि विषयक, देवी-देवता विषयक व्रत संबंधी, पशु संबंधी, सामाजिक कहिनी, भूत-प्रेत संबंधी कहिनीलोक आख्यानक काव्य : गाथागीत - दसमत कैना, लोरिक चंदा, पंडवानी, कुँवर रसालू, अहिमन कैना, केवलारानी, फूलबासन, सरवन कुमार, राजा हरिश्चंद्र, गूंज पड़की, राजा मोरध्वज, नगेसर कैना

इकाई 4. लोक नाट्य : परिचय एवं वैशिष्ट्य नाचा, रहस

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के सब्बो पक्ष के सुन्दराई आघू आही अउ ओकर मूल्यांकन होही, त हमर भाषा बोली के ठोसपना उघरही ।
नँदावत लोकगाथा दसमत कैना , लोरिक चंदा , केवला रानी , नगेसर कैना जइसे कई ठन किस्सा कहिनी के राष्ट्रीय फलक में मूल्यांकन होही ।
छत्तीसगढ़ी भाषा बोली के समृद्धि अउ वजन आघू आही । शोध बर नवा विषय मिलही ।

27.6.25

27/6/2025

27.06.25

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा : नंद किशोर तिवारी, अमीन पारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर
4. छत्तीसगढ़ी गीत : सं. जमुना प्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
5. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
7. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश : डॉ. कांति कुमार जैन,
8. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन : दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
9. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन और लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. शकुन्तला वर्मा
10. छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य और भाषा : बिहारी लाल साहू
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन : नंद किशोर तिवारी
12.लोक मंडई सं.डॉ.जय प्रकाश, लोक मड़ई उत्सव समिति, ग्राम आलिवारा, तह.डोंगरगढ़जि.राजनांदगांव
13. माई कोठी के धान : जीवन यदु
14. दसमत : यशवंत साहू 'कोंगनिहा'
15. ओड़ जाति की लोककथाएं : डॉ. सरिता यशवंत साहू, हिन्दी साहित्य सदन, नई दिल्ली
16. छत्तीसगढ़ी का साहित्यिक इतिहास : गंगाप्रसाद गुप्त 'बरसैंया', वैभव प्रकाशन, रायपुर

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25
27/6/2025
27.06.25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) द्वितीय सेमेस्टर
पहला प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास के ठीक -ठीक जानकारी हासिल करे बर ।
2. अलग- अलग बेरा में अलग- अलग प्रकार के लोकगाथा, लोकगीत अउ मानवीय मनोभाव ल पढ़े गुने बर ।
3. साहित्य के मार्फत आम आदमी के हित- पिरीत अउ रोजी-रोटी के झिकझिक ल समझे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. मौखिक साहित्य के युग:

i. गाथा युग
प्रेमाख्यानक गाथाएँ, धार्मिक गाथाएँ, पौराणिक गाथाएँ अउ वीर गाथाएँ
ii. लोकगीत
लौकिक गीत - करमा, ददरिया, सुआ, संस्कार गीत, पर्वगीत आदि
भक्तिपरक गीत - जसगीत, भोजली, पंथीगीत आदि

इकाई 2. लिखित साहित्य का युग:

i. धर्मदास का काव्य
ii. आधुनिक काव्य-1 (आरंभ से 1950 तक)

इकाई 3. आधुनिक काव्य-2 (1950 से 2000 तक)

इकाई 4. आधुनिक गद्य साहित्य : कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी और निबंध साहित्य अउ ओकर विकास

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1. छत्तीसगढ़ी के समृद्ध साहित्य उजागर होही ।
2. अलग- अलग प्रकार के साहित्य से छत्तीसगढ़ के हजार साल के इतिहास के सामाजिक , राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक , पारिवारिक दशा उभर के आघू आही ।
3. छत्तीसगढ़ अउ इहां के जनजीवन के औसत जीवन स्तर , श्रम संघर्ष , स्त्री- पुरुष के सहज आकर्षण अउ सामाजिक दृष्टि देखे गढ़े बर मिलही ।

27.6.25

27/6/2025

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास : नरेन्द्र देव वर्मा, छत्तीसगढ़ी राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी,रायपुर
1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य : सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा : नंदकिशोर. तिवारी, वैभव प्रकाशन, रायपुर
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास : विमल कुमार पाठक
5. प्राचीन छत्तीसगढ़ी : प्यारेलाल गुप्त, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर
6. छत्तीसगढ़ी का साहित्यिक इतिहास : गंगाप्रसाद गुप्त 'बरसैंया', वैभव प्रकाशन, रायपुर

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/2025

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) द्वितीय सेमेस्टर
दूसरा प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा अउ रहस के स्वरूप अउ विकास यात्रा के जानकारी हासिल करे खातिर ।
2. नाचा अउ रहस के सन्देश अउ शिक्षा से छत्तीसगढ़िया समाज के चेतना, जागरूकता, अधिकार, कर्त्तव्य के जानकारी हासिल करे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : स्वरूप अउ विकास-यात्रा
छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य रहस : स्वरूप अउ विकास – यात्रा

इकाई 2. गम्मत-1 : माया परीक्षा : सत्य कबीर लोकनाट्य मटेवा
गम्मत-2 : भरम के भूत : टेड़ेसरा नाचा पार्टी

इकाई 3. गम्मत-3 : पोंगवा पंडित : मंदराजी नाचा पार्टी, रवेली

इकाई 4. नाचा के पुरखा कलाकार : दाऊ मंदराजी, लालूराम, भुलवा राम, मदन निषाद, फिदाबाई मरकाम।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1.छत्तीसगढ़ के समृद्ध लोककला अउ ओकर मजबूत जड़ के छानबीन होही ।
2.छत्तीसगढ़ के विश्वस्तरीय मौलिक लोककला मजबूती से अपन चमक दमक से उभरही ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य : सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर
3 छत्तीसगढी लोकनाट्यों में शास्त्रीय तत्व : डॉ. शैलजा चन्द्राकर, श्री लब्धिसूरि फाउण्डेशन, दुग्गड़ सदन, दुर्ग
4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
5. गम्मत : संपादक जय प्रकाश, मंदराजी महोत्सव, समिति, रवेली (राजनांदगांव)

27.6.25

27/6/2025

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/2025

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) द्वितीय सेमेस्टर
तीसरा प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी लोककथा अउ लोकगाथा

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. छत्तीसगढ़ी लोककथा मन के किस्सा कहानी अउ कहन ल पढ़े जाने समझे बूझे बर ।
2. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा ल पढ़ के आदमी के आदमी बने रेहे के जतन अउ सब्बो सहज मनोदशा ल देखे समझे बर ।
3. अपन आंचलिक कथा परम्परा ल समझे बर।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. लोककथा - 1
चार पइसा, नकल, रखवारी, डूमर फूल, गदहा के दुलत्ती, दुष्ट के संगत।

इकाई 2. लोककथा - 2
मितानी, जइसन ल तइसन, डोकरी अउ बेंदरा, कमरछठ, कलजुगी नियाँव, सोन के लालच

इकाई 3. लोकगाथा : दसमत कैना

इकाई 4. लोकगाथा : गोपी चंदा

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1. छत्तीसगढ़ी लोककथा के लोकनीति , ज्ञान , अमर सीख , लोकाचार देखे पढ़े बर मिलही ।
2. दसमत कैना , गोपीचंदा जइसे लोकगाथा से मनुष्य के प्रेम , नफरत , तड़प , लगन , त्याग जइसे गुण संग
   हमर मन के राजा रानी या काल्पनिक रूप से हमर मनोभाव ल गहराई से पढ़े जाने बर मिलही ।
3. अपन आंचलिक कथा परम्परा ल समझही ।

पाठ्य ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी कथालोक : डॉ. पीसीलाल यादव, शिक्षादूत प्रकाशन, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : डॉ. पीसीलाल यादव, सर्वप्रिय प्रकाशन, दिल्ली-रायपुर

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. लोक मंडई (दसमत कैना पर एकाग्र अंक) सं. डॉ.जय प्रकाश, लोक मड़ई उत्सव समिति, ग्रामआलिवारा, तह.डोंगरगढ़ जि. राजनांदगांव
2. छत्तीसगढ़ी कथागीत - सामाजिक-सांस्कृतिक प्रदेय : डॉ. रमाकांत श्रीवास्तव, सर्वप्रिय प्रकाशन, कश्मीरी गेट, दिल्ली
3. माई कोठी के धान : जीवन यदु
4. दसमत: यशवंत साहू 'कोंगनिहा' यशवंत साहू 'कोंगनिहा
5. ओड़ जाति की लोककथाएं डॉ. सरिता यशवंत साहू हिन्दी साहित्य सदन, नई दिल्ली
6. छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य और भाषा : बिहारी लाल साहू
7. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन : दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
8. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन : नंदकिशोर तिवारी

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगेगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/2025

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) द्वितीय सेमेस्टर
चौथा प्रश्न पत्र
छत्तीसगढ़ी लोककाव्य

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1. छत्तीसगढ़ के लोकजीवन में अलग-अलग बेरा में गवइया गीत ल पढ़े लिखे बर ।
2. गीत के मूलभाव से छत्तीसगढ़ी जनजीवन के अलग-अलग पक्ष के जानकारी हासिल करे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. जन्म संस्कार अउ सोहर गीत :
सधौरी गीत (महला ठाड़ बलम जी अपन रनिया मनावत हो), सोहर गीत (लाल घर बजत हे बधाई, कइसे सफरी कान्हा, राम जनम लीन्हें भगवान जनम लीन्हें, जुग-जुग जिये तोर लाला, रहेंव में कतेक उपासे, धिरे-धिरे बाजत हे मोर आनंद बधाईया, सोने मचुलिया म बइठे राजा दसरथ)

इकाई 2. संस्कार गीत : विवाह-गीत (मंगनी गीत, मंडपाच्छादन (मड़वा), चुलमाटी, तेलचग्घी, परघौनी, नंह डोरी, मउर, सौंपनी,भांवर, बरात बिदा)

इकाई 3. पर्वगीत :
सुआ गीत : पहिली गवन के मोला डेहरी बइठारे रे सुअना, काजर के कोठरी म चंदा लुका के रे सुअना, ऊँच पूर मनखे हे लाली लाली अँखिया रे सुअना।
भोजली गीत : कहां से खातू माटी कहाँ के चँघोरिया, कूटि डारेन धान पछोरि डारेन भूँसा।
गऊरा गीत : एक पतरी रैनी झैनी, जोहर जोहर मोर ठाकुर देवता

इकाई 4. विविध लोकगीत
ऋतु गीत : चढ़ते असाढ़ बदरी घटके, सावन महिना बिरही रोवे जिनके पिया गये परदेस, आइस बसंत पतेरा भमके।
खेल गीत : अटकन बटकन, गोबर दे बछरू गोबर दे।
जँवारा गीत : मैया फूल गजरा, कातिक महिना धरम के माय।
करमा गीत : झूला रावत है राम बिन देखे परान
ददरिया : तवा म रोटी सेंकत रहितेंव, बटकी म बासी चिमटी म धरे नून।
पंथी गीत : माटी के काया माटी के चोला, नाँव लेके आये साहेब।

27.6.25 27/6/2025 27.06.25

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1.लोकगीत के मार्फत जीवन जिये के खातिर अपन उम्मीद मजबूत करे बर मिलही ।
2.आज के नवा पीढ़ी ल अपन सुघ्घर संस्कृति के जानकारी मिलही ।
3.संस्कार गीत , परबगीत , खेल , जंवारा , करमा , ददरिया , सुआ , भोजली , गऊरा , पंथीगीत मन ल जतन हियाव करे बर मिलही ।
4.नवापीढ़ी ल अपन संस्कृति में शोध के अवसर मिलही । अपन पुरखौती सम्पदा ल जाने बर मिलही ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी
   ऐतिहासिक अध्ययन : नंदकिशोर तिवारी
3. छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य और भाषा : बिहारी लाल साहू
4. छत्तीसगढ़ी गीत : सं. जमुना प्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, दुर्ग
5. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
6. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य : सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1,शंकर नगर, रायपुर

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगेगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 3 x 10 = 30
3 आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 3 x 10 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 5 x 2 = 10
अति लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 10 x 1 = 10

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27.06.25

27/6/2025

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) तृतीय सेमेस्टर
पहला प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी के भाषा वैज्ञानिक पक्ष

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. छत्तीसगढ़ी के उद्भव अउ विकास ल पढ़े बर ।
2. भाषा विकास के अलग-अलग काल में छत्तीसगढ़ी भाषा कइसे रिहिस ? तेला जाने समझे बर ।
3. भाषा विकास क्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा के अवधी अउ बघेली संग तुलना करे बर ।
4. छत्तीसगढ़ी के अलग-अलग रूप ल जाने समझे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. भाषा के परिभाषा अउ अभिलक्षण। भाषा के प्रयोजन। छत्तीसगढ़ म भाषा-प्रयोग के संदर्भ अउ समाजभाषिक रूप -द्विभाषिकता, पिजिन, क्रियोल, कोड मिश्रण (कोड मिक्सिंग) कोड परिवर्तन (कोड स्विचिंग) हिंदी अउ छत्तीसगढ़ी।

इकाई 2. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास
- I. प्राचीन भारतीय आर्यभाषा काल
- II. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा काल
- III. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा काल

इकाई 3. भारतीय भाषा परिवार अउ छत्तीसगढ़ी -
- छत्तीसगढ़ी अउ पड़ोसी भाषा
- पूर्वी हिंदी (छत्तीसगढ़ी, बघेली अउ अवधी)

इकाई 4.छत्तीसगढ़ी के बोलीगत विभेद
- उत्तरी छत्तीसगढ़ी - सरगुजिहा, नगपुरी या सदरी कोरबा
- पूर्वी छत्तीसगढ़ी - लरिया, कलिंगा, भुलिया, बिंझवारी, बैगानी
- मध्य वर्तिनी छत्तीसगढ़ी - रायपुरी, बिलासपुरी
- पश्चिमी छत्तीसगढ़ी - खल्हाटी
- दक्षिणी छत्तीसगढ़ी - हलबी

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1. पढ़इया मन ल शुरुआत से ले के अब तक के छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास देखे बर मिलही ।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के भाई बहिनी अवधी अउ बघेली संग समानता अउ असमानता देख सकतथन ।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा के अलग-अलग रंग रूप , मानकीकरण अउ शब्दकोश के पढ़े गुने अउ नवा सिरजाये के रस्ता बनही ।

27.6.25

27/6/2025

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर
3. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
4. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश डॉ. कांति कुमार जैन,
5. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश: सं. रमेशचंद्र मेहरोत्रा, प्रेमनारायण दुबे, भगवत प्रसाद साहू, मन्नूलाल यदु, व्यासनारायणदुबे, सतीश जैन, ढिलौराम यादव, रामनिवास साहू, साधूदास बघेल (भाषिका प्रकाशन, टूरी हटरी, रायपुर)
6. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश : सं. रमेशचंद्र मेहरोत्रा, भगवत प्रसाद साहू, रामानुज शर्मा, चत्तरंजन कर (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, २३, दरियागंज, नई दिल्ली

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक+

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/2025

27.06.25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) तृतीय सेमेस्टर
दूसरा प्रश्नपत्र
प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्यः–

1. लोक व्यवहार अउ बोलचाल के छत्तीसगढ़ी , मानक छत्तीसगढ़ी , राजभाषा छत्तीसगढ़ी , आंचलिक छत्तीसगढ़ी जइसे छत्तीसगढ़ी के कई ठन रंग रूप ल गहराई से देखे जाने बर ।
2. जनसंचार में छत्तीसगढ़ी अउ छत्तीसगढ़ी के पारिभाषिक शब्दावली के ठोस समझ गढ़े बर ।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा ल राज-काज के भाषा अउ रोजी-रोटी के भाषा बनाये बर ।
4. छत्तीसगढ़ी में पत्राचार के ज्ञान बर।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ी के विविध रूप—
लोकव्यवहार और अउ बोलचाल के भाषा, मानक छत्तीसगढ़ी, साहित्यिक छत्तीसगढ़ी, छत्तीसगढ़ी राजभाषा, छतीसगढ़ी के आंचलिक भेद, संपर्क भाषा छत्तीसगढ़ी

इकाई 2. जनसंचार अउ छत्तीसगढ़ी —
समाचार पत्र, टेलिविज़न अउ इंटरनेट म छत्तीसगढ़ी, पोर्टल अउ ई-पत्रिका, छत्तीसगढ़ी सिनेमा, विज्ञापन म छत्तीसगढ़ी ।

इकाई 3. छत्तीसगढ़ी म पारिभाषिक शब्दावली —
प्रशासनिक, मीडिया, कार्यालयीन शब्दावली, नाप तौल, खेती किसानी, शिल्पकर्म के पारंपरिक शब्दावली

इकाई 4. छत्तीसगढ़ी म कार्यालयीन पत्राचार —
प्रारूपण (कार्यालयीन आदेश, ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, अनुस्मारक, पृष्ठांकन), टिप्पण, संक्षेपीकरण।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणामः

1. छत्तीसगढ़ी के मानकीकरण , राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठा अउ नवा शब्दकोश बनाये में सुबिस्ता होही ।
2. पारिभाषिक शब्दावली , जनसंचार अउ रोजगार परक बनाये बर सुबिस्ता होही ।
3. छत्तीसगढ़ी में पत्राचार के ज्ञान होही

27.6.25 27/6/2025

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान
2. सत्यभामा आडिल : छत्तीसगढ़ी का व्यावहारिक शब्दकोश
3. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
4. बिहारी लाल साहू छत्तीसगढ़ी लोक भाषा और साहित्य
5. मंगत रवीन्द्र : छत्तीसगढ़ी व्याकरण
6. चंद्रकुमार चंद्राकर : मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
7. रमेश चंद्र महरोत्रा एवं अन्य मानक छत्तीसगढ़ी सुलभ व्याकरण
8. चित्तरंजन कर एवं अन्य छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ
9. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी : डॉ. सुधीर शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर

टीप :-

प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27/6/2025

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) तृतीय सेमेस्टर
तीसरा प्रश्नपत्र
सूचना तकनीक अउ छत्तीसगढ़ी भाषा

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. कम्प्यूटर के सब्बो काम ल छत्तीसगढ़ी भाषा में करे बर ।
2. नवा संचार माध्यम अउ तकनीक में छत्तीसगढ़ी के प्रयोग बर ।
3. कम्प्यूटर में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रयोग ल बढ़ावा दे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. कम्प्यूटर सिस्टम : विशेषता अउ क्षमता, कंप्यूटर हार्डवेयर अउ सॉफ्टवेयर : कंप्यूटर का ब्लॉक डायग्राम, डेटा प्रोसेसिंग : डेटा, डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम, डेटा स्टोर करना।

इकाई 2.कंप्यूटर के प्रकार : एनालॉग, डिजिटल, हाइब्रिड, सामान्य अउ विशेष उद्देश्य वाले कंप्यूटर, कंप्यूटर की पीढ़ियाँ, कंप्यूटर सिस्टम - माइक्रो, मिनी अउ मेन-फ्रेम, माइक्रो कंप्यूटर के सीमा। संख्या प्रणाली:- दशमलव संख्या प्रणाली, बाइनरी संख्या प्रणाली, ऑक्टल अउ हेक्साडेसिमल संख्या प्रणाली, 1 अउ 2 के पूरक। कोड : - ASCII, EBCDI कोड, ग्रे कोड अउ BCD।

इकाई 3.नवा संचार माध्यम अउ तकनीक :
अख़बार में छत्तीसगढ़ी साहित्य, टेलीविज़न अउ इंटरनेट म तकनीक के उपयोग अउ छत्तीसगढ़ी भाषा, रेडियो म छत्तीसगढ़ी।

इकाई 4 . छत्तीसगढ़ी वेबसाइट, ब्लॉग, यू–ट्यूब चैनल अउ पोर्टल
गुरतुर गोठ डॉट कॉम, छत्तीसगढ़ी डॉट इन, छत्तीसगढ़ी लोकाक्षर आदि।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1.छत्तीसगढ़ी भाषा में कम्प्यूटर के सब्बो काम करे के उदीम होही ।
2.समय के संगे संग नवा संचार माध्यम, तकनीक मछत्तीसगढ़ी के प्रयोग ल बढ़ावा मिलही ।
3.छत्तीसगढ़ी भाषा के ढंग से नवा-नवा सॉफ्टवेयर बनही। छत्तीसगढ़ी के प्रचार-प्रसार ल बढ़ावा मिलही ।

27.6.25

27/6/2025

सन्दर्भ ग्रन्थ एवं वेब लिंक :

1. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजय मल्होत्रा
2. कम्प्यूटर एप्लिकेशन : गौरव अग्रवाल
3. कम्प्यूटर फंडामेंटल्स : प्रदीप के सिन्हा, प्रीति सिन्हा, बी.पी. बी. पब्लिकेशन्स
4. https://gurturgoth.com/https://gurturgoth.com/
5. https://chhattisgarhi.in/
6. https://web.archive.org/web/20070915021635/http://www.lokakshar.com/

टीप :-
प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) तृतीय सेमेस्टर
चौथा प्रश्नपत्र
अनुवाद : सिद्धांत अउ व्यवहार

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1.छत्तीसगढ़ी भाषा में अनुवाद के स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया अउ तकनीक ल जाने समझे बर ।
2.छत्तीसगढ़ी में व्यावहारिक अनुवाद सीखे बर ।
3.छत्तीसगढ़ी में कार्यालयीन अनुवाद के मरम ल जाने बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1.अनुवाद के स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया अउ तकनीक।
छत्तीसगढ़ी के प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी अउ अनुवाद, जनसंचार म अनुवाद (समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन)।

इकाई 2.व्यवहारिक अनुवाद : काव्य (साहित्यिक पाठ अउ अनुवाद)
क. अनूदित साहित्य के अध्ययन— मेघदूत : अनुवाद मुकुटधर पांडेय
ख. छत्तीसगढ़ी ले हिंदी म भावानुवाद (अमर शहीद वीरनारायण सिंह : खंडकाव्य : हरि ठाकुर)

इकाई 3. व्यावहारिक अनुवाद : गद्य (साहित्यिक पाठ के अनुवाद)
क. अनूदित साहित्य के अध्ययन— किस्सा दू बइला के : प्रेमचंद के कहिनी 'दो बैलों की कथा' केछत्तीसगढ़ी अनुवाद : अनुवादक डॉ.बलदेव
ख. हिंदी ले छत्तीसगढ़ी म भावानुवाद (गुंडा : जयशंकर प्रसाद)

इकाई 4. समाचार, आलेख, कार्यालयीन पत्राचार, प्रशासनिक दस्तावेज आदि के अनुवाद।

27.6.25

27/6/2025

27.06.25

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1.दूसर भाषा के विषय वस्तु अउ छत्तीसगढ़ी भाषा के विषय वस्तु ल दूसर भाषा में अनुवाद से छत्तीसगढ़ी समृद्ध होही ।
2.दूसर भाषी भाषा संग अनुवाद से लोक व्यवहार अउ विचार विनिमय में सुबिस्ता होही ।
3.अनुवाद से काम धंधा , वाणिज्य व्यापार , रोजगार में बढ़ोत्तरी होही ।
4.आम जनता संग राज काज में सुबिस्ता होही ।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. सुरेश कुमार : अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा
2. परदेसी राम वर्मा : हमर प्रेमचंद (छत्तीसगढ़ म प्रेमचंद के कहिनी)
3. प्रेमचंद के कथा-संसार : नन्दकिशोर तिवारी, डॉ. सुधीर शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर
4. अमर शहीद वीरनारायण सिंह : खंडकाव्य : हरि ठाकुर
5. मेघदूत : अनुवाद मुकुटधर पांडेय

टीप :

1. इकाई 2 'क' के अंतर्गत पाठ ले एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाही, अउ इकाई 2 'ख' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी पाठ के हिंदी अनुवाद के प्रश्न होही ।
2. इकाई 3 'क' के अंतर्गत पाठ ले एक लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाही, अउ इकाई 3 'ख' के अंतर्गत हिंदी पाठ केछत्तीसगढ़ी अनुवाद के प्रश्न होही ।

अंक विभाजन :

प्रश्न -1 (इकाई 1 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -2 (इकाई 2 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -3 (इकाई 3 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न -4 (इकाई 4 के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में से कोई एक हल करना होगा) = 15 अंक
प्रश्न-5 (प्रत्येक इकाई के 2 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से कोई 5 प्रश्न) 5 x 2 = 10 अंक
प्रश्न- 6 (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से 10 प्रश्न हल करना होगा) 10 x 1 = 10 अंक

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

एम.ए.(छत्तीसगढ़ी) चौथा सेमेस्टर
पहला प्रश्नपत्र
आधुनिक छत्तीसगढ़ी काव्य

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1. छत्तीसगढ़ी के आधुनिक काव्य से आज के पीढ़ी ल परिचय कराये बर ।
2. छत्तीसगढ़ के आम आदमी अउ लोकजीवन के मनोदशा , मानसिक उथल-पुथल अउ सोच बिचार ल पढ़े-गुने बर ।
3. छत्तीसगढ़ में बीते सौ बरस में खेती- बाड़ी , काम- धंधा , घर- परिवार , मया -पिरीत , स्त्री- पुरुष अन्तर्सम्बन्ध , अन्तर्विरोध , राष्ट्रीय- अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम के असर , किसान- मजदूर के मेहनत, मेहनताना , शोषण , करजा-बोड़ी, जीवन के सपना अउ सच्चाई , खेत -खार , तरिया -नंदिया , जंगल -पहाड़ के सुन्दरता ल देखे अउ जाने बर ।

पाठ्य वस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ी के प्रारम्भिक पीढी के कविः

गिरिवरदास वैष्णव — सत्तावान के सत्यानाश
द्वारिका प्रसाद तिवारी ' विप्र '— धमनी हाट, बुड़ती बेरा
कुंजबिहारी चौबे— अंगरेज तैं हमला बनाय कँगला, बियासी के नाँगर
कपिल नाथ कश्यप— संतन जनम अऊ राम जनम, लंका दहन
कोदूराम दलित—बसंत बहार, चउमास (कवित्त)

इकाई 2. बाद के पीढ़ी के कवि-1:

श्याम लाल चतुर्वेदी— जब आइस बादर करिया,उँकर अगोरा में
नारायण लाल परमार— गाँव अभी दुरिहा हे, हरियर शोभा, कइसे डोंगा पार उतरही, सुरुज नई मरै
हरि ठाकुर—देवारी गीत, बादर गीत

इकाई 3. बाद के पीढ़ी के कवि-2:

भगवती लाल सेन— चमकिस एसो खोरे खोर, मही म मलाई, अमरित बाँटिस जग ल
लखनलाल गुप्त—खोल परे मनखे, दुखियारी फूल।
पवन दीवान—खेत-खार बखरी म, सुरुज टघलत हे।

इकाई 4. बाद के पीढ़ी के कवि-3:

डॉ. बलदेव— भेलई के धमनभट्ठी, जाल ढिठोरी अउ सुरुज।
जीवन यदु— आसो अइसन बरस रे बादर, चेत चेत रे चिरैया।
लक्ष्मण मस्तुरिहा—मोर संग चलव रे, सच कहे म करू लागथें।

27.6.25

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम :

1.छत्तीसगढ़ी लोकजीवन के सौ साल के लेखा-जोखा हमर आघू उघरही ।

2. छत्तीसगढ़ी कवि अउ आधुनिक छत्तीसगढ़ी काव्य के कीमत (मूल्यांकन) होही । सौ साल के छत्तीसगढ़ी कविता के कहन अउ गढ़न के ढंग ल देखे परखे ल मिलही ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2 .छत्तीसगढी भाषा और साहित्य सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर
3. देख रे आँखी सुन रे कान : भगवती सेन
4. साँवरी : लक्ष्मण मस्तुतिहा, लोकसुर प्रकाशन , रायपुर
5. छत्तीसगढ़ की साहित्यिक विभूतियाँ : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त 'बरसैंया'

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	3 x 10 = 30
3 आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	3 x 10 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	5 x 2 = 10
अति लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	10 x 1 = 10

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) चतुर्थ सेमेस्टर
दूसरा प्रश्नपत्र
आधुनिक छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्यः–

1.छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य के परम्परा अउ विकास ल जाने समझे बर ।
2.कहानी अउ उपन्यास के मार्फत छत्तीसगढ़ी जीवन के राग- रंग, संगी- जंहुरिया के मया सपना अउ सामाजिक ताना-बाना के बीच सच्चाई ल पढ़े गुने बर ।
3.जनजीवन के रहन- सहन, खान- पान, खेती -किसानी, काम- बूता, मेहनत- मजदूरी, अकाल- सुकाल, रोजी-रोटी के फटफट अउ शोषण उत्पीड़न के रंग देखे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1. छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य के विकास अउ परंपरा
छत्तीसगढ़ी कहिनी के परम्परा
छत्तीसगढ़ी उपन्यास के परम्परा

इकाई 2. छत्तीसगढ़ी कहिनी : पाठ अउ समीक्षा
i. रोनहा गांव म हांसी : परदेशीराम वर्मा
ii. सुरूज पोटारिस अंधियार : बिहारी लाल साहू
iii. ढेंकी : सुशील भोले
iv.गहना : रामनाथ साहू
v. नियाँव : पीसीलाल यादव

इकाई 3. छत्तीसगढ़ी उपन्यास : पाठ अउ समीक्षा
कहाँ बिलागे मोर धान के कटोरा : केयूर भूषण

इकाई 4. छत्तीसगढ़ी उपन्यास : पाठ अउ समीक्षा
बहू हाथ के पानी : दुर्गा प्रसाद पारकर

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणामः
1.राष्ट्रीय परिदृश्य संग छत्तीसगढ़ के आम जनता अउ रचनाकार के जागरण चेतना उभर के आही ।
2.छत्तीसगढ़ी लोकजीवन के पूरा चित्र दरपण कस देखे बर मिलही ।
3.सौ पचास साल के तुलना में आज के हमर सोच बिचार अऊ रहन सहन में आये बदलाव के फरक देखे बर मिलही ।

27.6.25 27/6/2025

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : दशा और दिशा, नन्दकिशोर तिवारी, वैभव प्रकाशन, रायपुर
2. छत्तीसगढी का साहित्यिक इतिहास : गंगाप्रसाद गुप्त बरसैंया, वैभव प्रकाशन, रायपुर
3. बहू हाथ के पानी : दुर्गा प्रसाद पारकर , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कहां बिलागे मोर धान के कटोरा (उपन्यास) : केयूर भूषण
5. बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़ी साहित्य : डॉ मंजू शर्मा
6. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
7. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य : सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर
8. दूध पूत : रामनाथ साहू, वैभव प्रकाशन, रायपुर
9. नियाँव : पीसीलाल यादव, वैभव प्रकाशन, रायपुर

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 3 x 10 = 30
3 आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 3 x 10 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 5 x 2 = 10
अति लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	- 10 x 1 = 10

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27/06/25 27.6.25 27-06-25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) चतुर्थ सेमेस्टर
तीसरा प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी नाटक, एकांकी अउ निबंध साहित्य

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्यः–

1.छत्तीसगढ़ी नाटक एकांकी के परम्परा अउ विकास के गतिक्रम ल चिनहे जाने बर ।
2.छत्तीसगढ़ी भाषा के निबंध अउ निबंधकार मन के लिखाव-रचाव अउ विषय के ठोसपना ल जाने समझे बर ।
3.छत्तीसगढ़ी के सौ बच्छर पहिली के सांस्कृतिक विरासत के हियाव अउ परख करे बर ।

पाठ्य वस्तु

1. छत्तीसगढ़ी नाटक :
   चरणदास चोर : हबीब तनवीर
2. छत्तीसगढ़ी नाटक :
   गम्मतिहा : प्रेम सायमन
3. छत्तीसगढ़ी एकांकी :
   पूजा के फूल : कपिलनाथ कश्यप, मतवार : नारायण लाल परमार, पितर पिंडा : टिकेंद्र टिकरिहा
4. निबंध :
   सतवंतिन सुकवारा : (श्यामलाल चतुर्वेदी)
   सुवा हमर संगवारी : (लखनलाल गुप्त)
   गोरसी के गोठ : (डॉ. पालेश्वर शर्मा)
   कउंवा, कबूतर अउ मनखे : (परमानंद वर्मा)
   गाय न गरु, सुख होय हरु : (लक्ष्मण मस्तूरिहा)

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणामः

1.अपन जुन्ना रीति नीति, सामाजिक बोली बेवहार, खान पान, तिहार बार, मेला मँड़ई के रंग ढंग जाने सीखे ल मिलही ।
2.रचनाकाल के समय राष्ट्रीय हलचल के तुलना में छत्तीसगढ़ में जन चेतना कइसे रिहिस ? तेकर जाँच परख करे में सहूलियत होगी ।
3.अपन पुरखौती नियम धियम, नेंग नता, आपसी सम्बन्ध अउ गाँव देहात के सोच बिचार उभर के सामने आही । ओकर से सौ साल पहिली के तुलना में जीवन के सबो डाहर आये बदलाव ल समझे में सहूलियत होही ।

27.6.25
27/6/2025
27.06.25

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	3 x 10 = 30
3 आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	3 x 10 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	5 x 2 = 10
अति लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	10 x 1 = 10

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

27.6.25

27.06.25

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) चतुर्थ सेमेस्टर
चौथा प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
छत्तीसगढ़ी के प्रारम्भिक उपन्यास

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
आंतरिक मूल्यांकन = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:-

1.आज के पीढ़ी ल छत्तीसगढ़ी के गद्य लेखन के परम्परा अउ उपन्यास लेखन ल जनवाये बर ।
2.छत्तीसगढ़ी गद्य लेखन परम्परा में छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास के गति ल चिनहे जाने बर ।
3.तय पाठ्यक्रम के आधार से ओकर रचनाकाल में छत्तीसगढ़ी समाज के जीवन संघर्ष अउ सामाजिक ताना-बाना ल समझे बर ।

पाठ्यवस्तु

इकाई 1.i . छत्तीसगढ़ी में गद्यलेखन के परम्परा अउ उपन्यास-लेखन
ii. हीरू के कहिनी (1926): पाण्डेय बंशीधर शर्मा

इकाई 2. मोंगरा (1964) : शिवशंकर शुक्ल –

इकाई 3. चंदा अमरित बरसाइस (1965) : लखन लाल गुप्त

इकाई 4. फुटहा करम (1971) : ठाकुर हृदय सिंह चौहान

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम:

1. छत्तीसगढ़ी गद्य के विकास क्रम अउ शुरुआती उपन्यास के बचाव बनाव ल देखे पढ़े बर मिलही ।
2. छत्तीसगढ़ी गद्य लेखन के परम्परा के विकास के उम्मीद होही।।

27.6.25
27/6/2025

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए-14, आदर्श नगर, दुर्ग
2. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य सं.डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1, शंकरनगर, रायपुर
3. हीरू के कहिनी (1926): पाण्डेय बंशीधर शर्मा : प्रकाशक मध्य रायगढ़ छत्तीसगढ़
4. मोंगरा(1964): शिवशंकर शुक्ल - वैभव प्रकाशन रायपुर
5. चंदा अमरित बरसाइस (1965) : लखन लाल गुप्त छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य प्रचार समिति रायपुर
6. फुटहा करम(1971): ठाकुर हृदय सिंह चौहान शारदा प्रिंटर्स रायपुर
7. छत्तीसगढ़ी का साहित्यिक इतिहास : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त 'बरसैंया'
8. छत्तीसगढ़ की साहित्यिक विभूतियाँ : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त 'बरसैंया'
9. समवाय : प्रधान सम्पादक - शारदाप्रसाद तिवारी

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	3 x 10 = 30
3 आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	3 x 10 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	5 x 2 = 10
अति लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्पयुक्त)	-	10 x 1 = 10

योग = 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
कुल योग = 100 अंक

एम.ए. (छत्तीसगढ़ी) चतुर्थ सेमेस्टर
चौथा प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)
लघु शोध-प्रबंध

पूर्णांक = 80 (4 क्रेडिट)
मौखिकी = 20 (1 क्रेडिट)

पाठ्यवस्तु

क. लघुशोध-प्रबंध
एकर अंतर्गत परीक्षार्थी ल छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के कोनो पक्ष से कोई विषय ले के ओकर ले संबंधित शोध सामग्री के संकलन करना होही, अउ ओकर आधार म लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करना होही।

(80 अंक / 4 क्रेडिट)

ख. मौखिकी
एकर अंतर्गत परीक्षार्थी ल छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य ले संबंधित लघुशोध प्रबंध ऊपर आधारित प्रश्न पूछे जाही।

(20 अंक / 1 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के उद्देश्यः

1. छत्तीसगढ़ी भाषा अउ साहित्य के अज्ञात , अल्पज्ञात अउ अप्रकाशित साहित्य के जानकारी बर ।
2. लोकजीवन अउ लोकभाषा के नवा व्याख्या करे बर ।
3. छत्तीसगढ़ी के नंदावत कला संस्कृति लोकगीत रीति-रिवाज ल बचाये अउ हियाव करे बर ।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणामः
1. छत्तीसगढ़ी के बहुत अकन कलाकार , रचनाकार , गीतकार अउ हुनरमंद आदमी के कला, विचार, साहित्य म सामाजिक योगदान उभरही ।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा अउ साहित्य के सम्यक मूल्यांकन अउ बढ़ोत्तरी होही ।
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य अउ लोकजीवन के रंग ल जाने बर शोध होही।

27/6/2025 | 27.6.25 | 27.06.25